

---

# Shri Kalahastishvara Stotram

---

## श्रीकालहस्तीश्वरस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Kalahastishvara Stotram 02 43

File name : kAlahastIshvarastotram.itx

Category : shiva, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From stotrArNavaH 02-43

Latest update : July 25, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 25, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीकालहस्तीश्वरस्तोत्रम्



महेश्वरं महोन्नतं महेश्वरं सदानम-  
द्वणेश्वरं गुणान्वितं गणेश्वरं जगन्नुतम् ।  
अनीश्वरं वृषाश्वरंहसाश्वरुद्रगामिनं (?)  
सदा भजामि कालहस्तिसाम्बमूर्तिमीश्वरम् ॥ १ ॥


निटालविस्फुटैकदृक्कटालवह्निचिच्छटा  
लसद्धनिप्रकृज्जटालनिष्ठहैमनम् ।  
घटीभवादिमौनिहत्कुटीभवत्पदं त्रिगुं(विभुं)  
सदा भजामि कालहस्तिसाम्बमूर्तिमीश्वरम् ॥ २ ॥

घनाघनादियज्ञभुगघनाघनप्रचारकृद्-  
द्युनाघनामहस्सुहृदहृदसुहृद्वनुस्वनम् ।  
घनाघनव्यपेटिकाघनाघनप्रभञ्जनं  
सदा भजामि कालहस्तिसाम्बमूर्तिमीश्वरम् ॥ ३ ॥


जटाकुटीरधन्यधुन्यभङ्गभङ्गसङ्घटा-  
घुमङ्घुमङ्घुमङ्घुमङ्घुनिध्वनदरीस्फुटम् ।  
कटीतटीघटीकृतोत्कटाजिनं ककुप्पटं  
सदा भजामि कालहस्तिसाम्बमूर्तिमीश्वरम् ॥ ४ ॥

सुधाशनाधिराद्वरीसुगाह्वरीजमञ्जरी-  
स्फुरन्मरन्दनिर्झरीधुराधुराधुरीणगीर्गणम् ।  
विराद्वुरङ्गमार्गणं विशेषविष्णुमार्गणं (?)  
सदा भजामि कालहस्तिसाम्बमूर्तिमीश्वरम् ॥ ५ ॥

॥ इति श्रीकालहस्तीश्वरस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

——  
*Shri Kalahastishvara Stotram*

pdf was typeset on July 25, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

